GOVT. D.B. GIRLS' P.G. AUTONOMUS COLLEGE

RAIPUR CHHATTISGARH

DEPARTMENT OF VOCAL MUSIC

SYLLABUS

OF

VOCAL MUSIC

2020-21

B A (PART –II)

SIGNATURE OF CHAIRMAN **SIGNATURE OF MEMBER (SUBJECT)**

VOCAL MUSIC PART – I

THEORY PART-A

NO	Title	Max Marks	Min Marks	Total
Paper-I	THEORY OF INDIAN MUSIC	50	17	50
Paper-II	THEORY OF INDIAN MUSIC	50	17	50

PART –B

NO	Name of Practical	Max Marks	Min Marks	Total
Practical	VOCAL MUSIC PRACTICAL	50	17	50

SIGNATURE OF CHAIRMAN **SIGNATURE OF MEMBER (SUBJECT)**

शासकीय दू0 ब0 महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय रायपुर, छत्तीसगढ़

संशोधित पाठ्यक्रम (आनुपातिक रूप से कम करके)

सत्र : 2020–21 हेतु

पाठ्यक्रम

संगीतशास्त्र

बी.ए. – द्वितीय वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र

पूर्णांक – 50

(1) पारिभाषिक शब्दों की व्याख्यायें एवं स्पटीकरण – ग्रह, अंश, न्यास – अपन्यास स्वर, अल्पत्व –बहुत्व, अर्विभाव–तिरोभाव, निबद्ध–अनिबद्ध गान, शुद्ध–छायालग–संकीर्ण राग।

(2) संक्षिप्त जीवनी और योगदान– शारंगदेव, आचार्य भरत, वेंकटमखी, सदारंग–अदारंग, पं. रविशंकर।

(3) निम्नलिखित तालों को दुगुन –चौगुन इत्यादि लयकारी में लिखना–रूपक, सूलताल, दीपचंदी, धमार, तिलवाड़ा।

(4) वाद्यों के चार प्रकार – तत्, वितत् घन् एवं सुषिर वाद्यों का परिचयात्मक अध्ययन।

शासकीय दू0 ब0 महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय रायपुर, छत्तीसगढ़

संशोधित पाठ्‌यक्रम (आनुपातिक रूप से कम करके)

सत्र : 2020–21 हेतु

पाठ्‌यक्रम

संगीतशास्त्र

बी.ए. – द्वितीय वर्ष

द्वितीय प्रश्न पत्र

पूर्णांक – 50

(1) ध्वनि की उत्पति – ध्वनि–तरंग की आंदोलन संख्या, सांगीतिक और असांगीतिक नाद, नाद के गुण। वर्तमान उत्तर भारतीय सप्तक के स्वरों की आंदोलन संख्यायें। मेजर–टोन, माइनर–टोन, सेमीटोन।

(2) पंडित वेंकटमखी द्वारा प्रतिपादित मेल–रचना विधि का अध्ययन। उत्तर पद्धति के दस मेल तथा उनके ग्रंथगत और व्यावहारिक नाम तथा उनसे उत्पन्न कुछ प्रसिद्ध राग।

(3) निम्नलिखित लोग गीतों की परिभाषा एवं उनकी व्याख्यायें –

  (अ) कजरी, चैती, लावणी, गरबा, बाउल, मांड, भटियाली।

  (ब) अच्छें श्रोताओं के गुण–संगीत रसास्वादन के लियें श्रोताओं में अपेक्षित योग्यतायें। कार्यक्रम की सफलता में श्रोता–वर्ग के सहयोग का महत्व।

(4) राग विवरण–बिहाव, केदार, बागेश्री, मालकैंस।

(5) पाठ्‌यक्रम में निर्धारित रागों में दी गयी रचनाओं (बंदिशां) का स्वरलिपि में लेखन।

शासकीय दू0 ब0 महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय रायपुर, छत्तीसगढ़

संशोधित पाठ्यक्रम (आनुपातिक रूप से कम करके)

सत्र : 2020–21 हेतु

पाठ्यक्रम

संगीत प्रायोगिक

बी.ए. – द्वितीय वर्ष

पूर्णांक – 50

(1) संगीत प्रायोगिक परीक्षा के 50 अंको में से 10 अंक सत्र–कार्य तथा 40 अंक प्रायोगिक परीक्षा हेतु रहेंगे।

(2) सत्र–कार्य के अंक आंतरिक परीक्षा अर्थात् कक्षा अध्यापक निम्नलिखित के आधार पर परीक्षार्थी का मूल्यांकन कर पूरा सत्र रिकार्ड बाह्य परीक्षक के समक्ष प्रस्तुत कर दोनों परीक्षकों की सहमति से प्रदान किये जायेंगे।

(अ) कक्षा में उपस्थिति और नियमितता।

(ब) कक्षा कार्य में ईमानदारी।

(स) जाँच परीक्षाओं में विद्यार्थी का स्तर।

(द) प्रदत्त गृह–कार्य और अभ्यास का पालन।

(इ) विभागीय कार्यक्रमों में भाग लेना।

(फ) रेडियो/दूरदर्शन के अखिल भारतीय शास्त्रीय संगीत के प्रसारण के 12 क्रार्यक्रमों की रिपोर्ट फाइल तैयार करना।

स्वाध्यायी छात्रों को भी चूँकि प्रायोगिक कार्य हेतु महाविद्यालय में नामांकन कराना होता है, इसलिए उन्हें भी कार्य के उपर्युक्तानुसार ही अंक प्रदान किये जायेंगे।

(3) निम्नलिखित रागों का अध्ययन :–

(अ) बिहाव, केदार, बागेश्री, मालकैंस।

(ब) किन्हीं 1 में विलंबित ख्याल आलाप तानों सहित।

(स) सरगम और लक्षण गीत उपर्युक्त सभी रागों में

(द) किन्हीं 3 रागों में छोटे ख्याल तानों सहित।

(इ) किन्हीं 1 राग में धृपद और धगार लयकारी सहित तथा किन्हीं 1 राग में तराना।

(4) निम्नलिखित तालों का अध्ययन (दुगुन चौगुन सहित)

रूपक, सूलताल, दीपचंदी, तिलवाड़ा।

APPORVED BY THE BOARD OF STUDIES ON

NAME	SIGNATURE